



NCERT Solutions for Class 11 Hindi Core A Ch02 Poem Meera

## 1. मीरा कृष्ण की उपासना किस रूप में करती है? वह रूप कैसा है?

**उत्तर:-** मीरा श्रीकृष्ण को अपना सर्वस्व मानती हैं। वे स्वयं को उनकी दासी भी मानती है और श्रीकृष्ण की उपासना एक समर्पिता पत्नी के रूप में करती है।

मीरा के प्रभु सिर पर मोर-मुकुट धारण करने वाले मन को मोहनेवाले रूप के हैं।

### 2.1 भाव व शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए —

**अंसुवन जल सींचि-सींचि, प्रेम-बेलि बोयी**

**अब त बेलि फैलि गई, आणंद-फल होयी**

**उत्तर:-** भाव-सौंदर्य — इस पद में मीरा की भक्ति अपनी चरम सीमा पर है। मीरा ने अपने आँसुओं के जल से सींचकर-सींचकर कृष्ण रूपी प्रेम की बेल बोई है और अब उस प्रेमरूपी बेल में फल आने शुरू हो गए हैं अर्थात् मीरा को अब आनंदाभूति होने लगी है।

शिल्प-सौंदर्य — भाषा मधुर, संगीतमय और राजस्थान मिश्रित भाषा है। 'सींची-सींची' में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है। प्रेम-बेलि बोयी, आणंद-फल, अंसुवन जल में सांगरूपक अलंकार का बड़ी ही कुशलता से प्रयोग किया गया है।

### 2.2 भाव व शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए —

**दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी**

**दधि मथि घृत काढि लियो, डारि दयी छोयी**

**उत्तर:-** भाव-सौंदर्य — इस पद में मीरा ने भक्ति की महिमा को बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है। इस पद में भक्ति को मक्खन के समान महत्वपूर्ण तथा सांसारिक सुख को छाछ के समान असार माना गया है। इन काव्य पंक्तियों में मीरा संसार के सार तत्व को ग्रहण करने और व्यर्थ की बातों को छोड़ देने के लिए कहती है।

शिल्प-सौंदर्य — भाषा मधुर, संगीतमय और राजस्थान मिश्रित भाषा है। पद भक्ति रस से परिपूर्ण है। 'घी' और 'छाछ' शब्द

\*\*\*\*\*END\*\*\*\*\*